हिन्दुस्तान
19-03-2026

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति को विश्वसनीय आंकड़े अहम : बिजेंद्र

कार्यशाला में मुख्य सचिव ने कहा, बिहार बनेगा पूर्वी भारत का प्रमुख टेक हब

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा है कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सटीक, विश्वसनीय एवं समयबद्ध आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। वे बुधवार को सतत विकास लक्ष्यों की मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क, पर्यावरणीय लेखांकन एवं जेंडर सांख्यिकी पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण डाटा प्रभावी नीतियों की आधारशिला है। बिहार अब सिर्फ बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि यह पूर्वी भारत के प्रमुख टेक हब के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने कहा कि एसडीजी इंडिकेटर्स की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए मजबूत सांख्यिकीय प्रणाली, डाटा गुणवत्ता में सुधार तथा राज्यों के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि बिहार में जिला स्तर तक निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। केंद्रीय सांख्यिकी, एमओएसपीआई के महानिदेशक एनके संतोषी ने कहा कि सांख्यिकी नीति निर्माण की रीढ़ है।

यूएनडीपी भारत के रेजिडेंट प्रतिनिधि डॉ. एंजेला लुसिगी ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए डाटा, साझेदारी और नवाचार का समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर मिनिस्ट्री ऑफ एसपीआई और योजना विकास विभाग की विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला का आयोजन फुलवारी स्थित निजी होटल में केंद्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तथा राज्य सरकार के योजना एवं विकास विभाग के सहयोग से किया गया।

फुलवारीशरीफ के निजी होटल में बुधवार को केंद्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तथा राज्य सरकार के योजना एवं विकास विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में पुस्तक का विमोचन करते मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, सचिव डॉ. सौरभ गर्ग, अपर मुख्य सचिव डॉ. एन विजयलक्ष्मी व अन्य।